सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, मंगलवार, 04 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 293, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

नाम नहीं बदलते, वैश्विक मंच पर पहचान भी दिलाई

इनसाइड क्राइम ब्रांच ने ड्रग्स तस्कर सुशील बच्चा के भाई को... » Pg02

» Pg12

अखिलेश दुबे की गैंग से यारी... पड़ गई भारी

सौ करोड़ी सीओ ऋषिकांत शुक्ला सस्पेंड, मचा हड़कंप

92 करोड़ के 12 भूखंड, पड़ोसी के नाम 11 दुकानें, विजिलेंस जांच शुरु

अखिलेश दुबे के मकड़जाल में फंसे खाकी वर्दीधारी

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

कानपुर। यूपी में सहारनपुर के बाद अब कानपुर में पुलिस विभाग की छवि धूमिल करने का मामला सामने आया है। फिलहाल मैनपुरी में तैनात सीओ ऋषिकांत शुक्ला के खिलाफ विजलेंस ने जांच शुरू कर दी है। कानपुर पुलिस की एसआईटी जांच में ऋषिकांत के पास 100 करोड़ रुपये की अकूत और बेनामी संपत्ति होने का दावा किया गया है। इसके साथ ही उन्हें जेल में बंद अधिवक्ता अखिलेश दुबे के गिरोह का सदस्य भी बताया गया है। एसआईटी जांच की रिपोर्ट के आधार पर शासन ने सोमवार देर रात उन्हें सस्पेंड कर दिया है। ऋषिकांत शुक्ल को सस्पेंड करने पर इसे शासन की ओर से वकील अखिलेश दुबे के मामले में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। वहीं, निलंबित सीओ ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

पुलिस विभाग का नामी चेहरा ऋषिकांत शुक्ला कानपुर में 1998 से 2006 तक उपनिरीक्षक और इसके बाद दिसंबर 2006 से 2009 तक निरीक्षक के रूप में 11 साल तक तैनात रहे। पुलिस उपाधीक्षक पद पर प्रोन्नति के बाद बाद भी इन्हें उन्नाव जिले में तैनाती मिली। कानपुर में पिछले दिनों तत्कालीन पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार के निर्देश पर पुलिस ने रेप के झूठे केस में फंसाकर कर बीजेपी नेता सतीश सतीजा को फंसाने के मामले में अधिवक्ता अखिलेश दुबे को जेल भेजा था।

इस मामले में एसआईटी गठित की गई थी। एसआईटी जांच में यह दावा किया गया कि अखिलेश के गिरोह में पुलिस, पत्रकार के साथ ही वकील भी शामिल हैं। इस जांच में सीओ ऋषिकांत शुक्ला का नाम सामने आया था। तीन नवंबर को शासन में तैनात सचिव जगदीश ने प्रमुख सचिव विजलेंस विभाग को पत्र लिखा है। इसमें अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन द्वारा पुलिस आयुक्त कानपुर नगर जांच आख्या के आधार पर सीओ ऋषिकांत के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में विजलेंस जांच शुरू कर कार्रवाई करने को कहा है। हालांकि जांच में यह बात जरूर सामने आयी कि उक्त संपत्तियों की खरीद फरोख्त में ऋषिकांत शुक्ला के पैन कार्ड का प्रयोग किया गया।

ऋषिकांत शुक्ला को मिलाकर दस पुलिसकर्मी ऐसे हैं जिन्हें चिह्नित करके जांच की जा रही है...

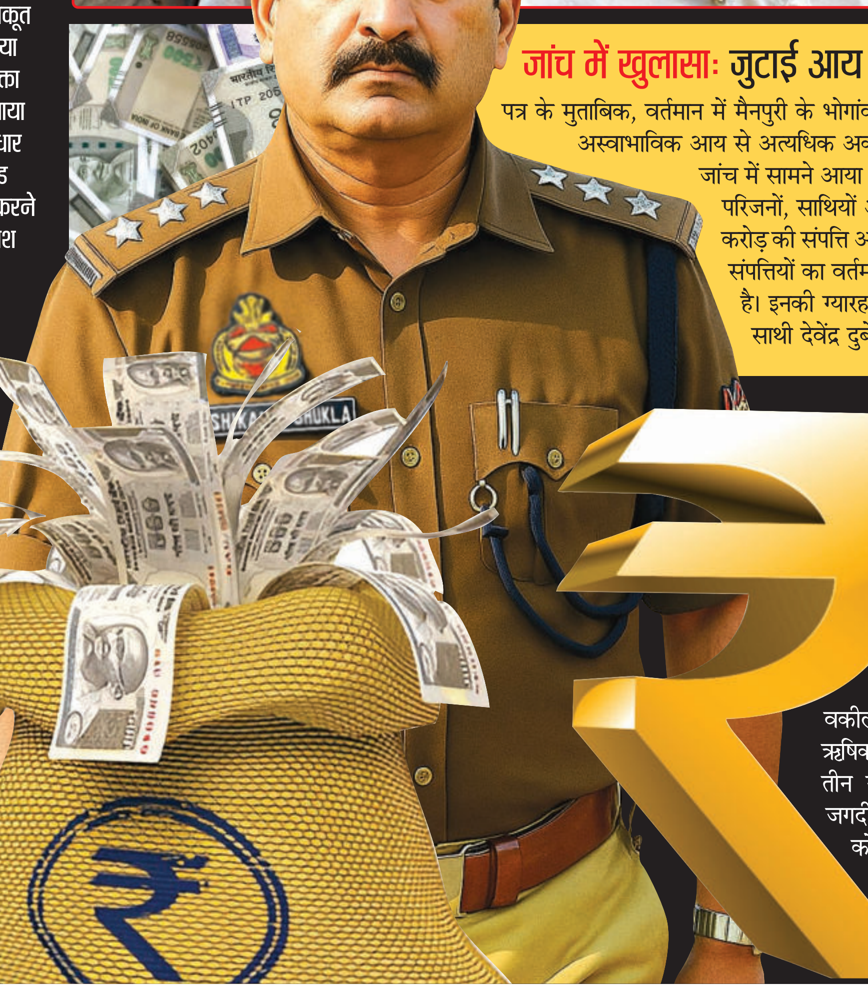

जांच में खुलासाः जुटाई आय से अधिक अकूत संपत्ति

पत्र के मुताबिक, वर्तमान में मैनपुरी के भोगांव सीओ पद पर तैनात ऋषिकांत ने अस्वाभाविक आय से अत्यधिक अकूत संपत्ति जुटाई है। एसआईटी की जांच में सामने आया है कि ऋषिकांत ने स्वयं और अपने परिजनों, साथियों और साझेदारों के साथ करीब 100 करोड़ की संपत्ति अर्जित की है। 12 स्थानों पर उपलब्ध संपत्तियों का वर्तमान बाजार मूल्य लगभग 92 करोड़ है। इनकी ग्यारह दुकानें आर्यनगर में हैं, जो पड़ोसी साथी देवेंद्र दुबे का नाम पर हैं।

ऑपरेशन महाकाल

बताते चलें कि पूर्व पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार के कार्यकाल में शुरू हुए ऑपरेशन महाकाल से जुड़ी यह शासन स्तर की पहली कार्रवाई है। महाकाल के तहत अपराधी और पुलिस गठजोड़ की कमर तोड़ने के लिए एसआईटी गठित की गई थी। एसआईटी जांच में सामने आया था कि सीओ ऋषिकांत शुक्ला ने कानपुर में रहते हुए अकूत संपत्तियां बनाईं। इतनी संपत्तियां बनाना नौकरी से होने वाली आय से संभव नहीं है।

एसआई से सीओ बनने तक दिखा कानपुर प्रेम

एसआईटी की जांच में सीओ ऋषिकांत का कानपुर प्रेम भी दिखाई दिया। जांच के मुताबिक ऋषिकांत ने बतौर एसआई वर्ष 1998 से वर्ष 2006 तक कानपुर में रहे। दिसंबर 2006 से वर्ष 2009 तक फिर कानपुर में ही नौकरी की। इस दौरान 10 वर्ष से अधिक समय तक वह कानपुर में तैनात रहे।

लंबी है अखिलेश दुबे के मददगारों की फेहरिस्त

जेल में बंद चर्चित अधिवक्ता अखिलेश दुबे के मददगारों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। इसमें ऋषिकांत शुक्ला जैसे पुलिसकर्मी अकेले नहीं हैं। अखिलेश दुबे ने अपने आसपास खाकी का ऐसा जाल बुना था जिसमें शिकार कितना भी हाथ-पैर मारे फंस ही जाता था। फिलहाल सीओ ऋषिकांत शुक्ला को मिलकर दस पुलिसकर्मी ऐसे हैं जिन्हें चिह्नित करके जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, अभी कई और पुलिस कर्मियों के नाम सामने आने वाले हैं।

पूर्व में भी ऋषिकांत शुक्ला समेत तीन क्षेत्राधिकारियों, इंस्पेक्टर और केडीए के पूर्व और वर्तमान उपाध्यक्ष के पीए के खिलाफ एसआईटी को अखिलेश दुबे के साथ जमीन के कारोबार और आर्थिक लेनदेन में संलिप्त होने के साक्ष्य मिले थे।

डीएसपी के भ्रष्टाचार से महकमे में मचा हड़कंप

इस पूरे मामले के सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। एक ओर जहां वरिष्ठ अधिकारी जांच के आदेश दिए जाने की पुष्टि कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर विभाग के भीतर यह चर्चा तेज है कि यदि सतर्कता जांच में आरोप सही पाए गए तो यह उत्तर प्रदेश पुलिस के इतिहास में सबसे बड़ी भ्रष्टाचार कार्रवाई हो सकती है।

क्राइम ब्रांच ने ड्रग्स तस्कर सुशील बच्चा के भाई को गांजे के साथ दबोचा, बच्चा फरार

» हिस्ट्रीशीटर सुशील बच्चा पर दर्ज हैं करीब 40 मुकदमे, पुलिस की तीन टीमें तलाश में जुटीं

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर के कुख्यात ड्रग्स माफिया और हिस्ट्रीशीटर सुशील बच्चा के भाई राजकुमार उर्फ बउआ लिंडा को उसके साथी सहित पुलिस ने 70 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई शास्त्री नगर स्थित सेंट्रल पार्क के पास की गई, जहां छापेमारी के दौरान अफरातफरी मच गई। एसीपी स्वरूप नगर सुमित सुधाकर रामटेके के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच और पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन चलाया था।

पुलिस के मुताबिक, काफी समय से जानकारी मिल रही थी कि सुशील बच्चा और उसका भाई शहर के विभिन्न इलाकों, खासतौर पर काकादेव क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मादक पदार्थ की बिक्री कर रहे हैं।छापेमारी के दौरान सुशील बच्चा मौके से फरार हो गया, जबकि उसका भाई राजकुमार और एक अन्य साथी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 70 किलो गांजा बरामद किया है।एसीपी ने बताया कि फरार ड्रग माफिया की तलाश में तीन पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। सुशील बच्चा पर अब तक करीब 40 मुकदमे दर्ज हैं, जबकि उसके भाई राजकुमार के खिलाफ भी एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

परिवार परामर्श केंद्र की पहल से टूटा घर फिर जुड़ा

काकादेव थाना क्षेत्र का 13वां समझौता, कानूनी विवाद से बचाए गए दोनों परिवार

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। पति-पत्नी के विवादों को सुलझाने में परिवार परामर्श केंद्र एक बार फिर सफल रहा। काकादेव थाना क्षेत्र निवासी सोनम और उनके पति तुषार शर्मा के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद का निपटारा आपसी सहमति से कर लिया गया।

सोनम ने परिवार परामर्श केंद्र कानपुर नगर में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके पति और ससुराल पक्ष के लोग आए दिन गाली-गलौज और मारपीट करते हैं, यहां तक कि उन्हें घर में रहने नहीं दिया जाता। कार्यवाहक प्रभारी निरीक्षक उदयवीर सिंह के निर्देशन पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक शिवकरण वर्मा और समाजसेवी शगुन खट्टर ने दोनों पक्षों को बुलाकर समझाया। जिसके के बाद पति-पत्नी ने आपसी सहमति से फिर से साथ रहने का निर्णय लिया। यह काकादेव थाना क्षेत्र का इस वर्ष का 13वां पति-पत्नी विवाद समझौता है।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने ट्रेन के आगे कूद कर दी जान

» गोविंद नगर में मोबाइल पर बात करते हुए हुई कहासुनी बनी मौत की वजह

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। गोविंद नगर में रविवार देर शाम एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां रेलवे ट्रैक किनारे टहलते हुए पत्नी से मोबाइल पर बात कर रहे युवक ने विवाद के दौरान ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

मूलरूप से कानपुर देहात के रसूलाबाद रतनपुर निवासी 26 वर्षीय अरविंद कुमार दादा नगर स्थित एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था और वहीं रहता था। कुछ दिन पहले ही वह काम पर लौटा था। रविवार देर शाम ड्यूटी खत्म होने के बाद वह कानपुर-झांसी रेलवे ट्रैक किनारे टहलते हुए पत्नी प्रियंका से मोबाइल पर बात कर रहा था। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर अरविंद ने गुस्से में

आकर सामने से आ रही ट्रेन के आगे छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गोविंद नगर थाना प्रभारी विकेश कुमार सिंह ने बताया कि युवक की पत्नी से मोबाइल पर विवाद हुआ था, जिसके बाद उसने आत्मघाती कदम उठाया। मृतक के परिवार में पत्नी प्रियंका, बेटा अजीत और दो बेटियां हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

लव जिहाद मर्डर: प्रेमी रोहित उर्फ वाहिद ने थाने में किया सरेंडर

» आरोपी बोला महिला के कई पुरुषों से संबंध और नशे की लत से परेशान होकर किया कत्ल

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।रायपुरवा के शक्कर मिल खलवा इलाके में लिव-इन रिलेशन में रह रही महिला की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। हत्यारोपित प्रेमी रोहित उर्फ वाहिद ने रविवार देर शाम खुद ही थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। उसने बताया कि मृतका भारती देवी के कई पुरुषों से अवैध संबंध थे और वह शराब सहित मादक पदार्थों का सेवन करती थी, जिससे वह काफी परेशान रहता था।

डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि आरोपित ने स्वीकार किया कि कई बार समझाने के बाद भी भारती नहीं मानी। शनिवार को दोनों ने घर पर मुर्गा पार्टी की, जिसके बाद उसने गला घोटकर उसकी हत्या कर दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई है।भारती देवी का शव शनिवार को चार दिन से बंद घर के भीतर बेड के नीचे मिला था। पड़ोसियों ने दुर्गंध आने और खून दिखने पर पुलिस को सूचना दी थी।

मौसेरे भाई सोनू मल्लाह ने बताया कि भारती पिछले आठ साल से नौबस्ता निवासी वाहिद के साथ लिव-इन में रह रही थी और सात महीने पहले मां की मौत के बाद रायपुरवा में किराए के घर में रहने लगी थी।रविवार देर शाम वाहिद ने थाने पहुंचकर सरेंडर किया, हालांकि पुलिस ने औपचारिक गिरफ्तारी अफीमकोठी चौराहे के पास से दिखाई। पूछताछ में उसने कहा कि महिला उसे 'रोहित' नाम से बुलाती थी और वह मतांतरण कराकर निकाह करना चाहता था, लेकिन महिला के अन्य पुरुषों से संबंधों से तंग आकर उसने उसकी हत्या कर दी।

बारा गांव में 20 बीघा अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त, खरीदारों को चेतावनी

कानपुर विकास प्राधिकरण का कानपुर देहात में अवैध प्लॉटिंग पर बड़ा एक्शन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने उपाध्यक्ष के निर्देश पर अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। प्रवर्तन क्षेत्र माती, कानपुर देहात के अन्तर्गत जोनल प्रभारी संदीप मोदनवाल की अगुवाई में यह अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान ग्राम बारा, कानपुर-झांसी हाईवे के किनारे आराजी सं. 924, 929 और 931 पर श्री राशिद नसीम द्वारा की गई लगभग 20 बीघा अवैध प्लॉटिंग को पूरी तरह ध्वस्त किया गया। साथ ही ब्राइट एंजल स्कूल के पीछे चल रही अवैध प्लॉटिंग पर भी बुलडोजर चलाया गया।

ध्वस्तीकरण अभियान में प्रभारी अधिकारी व अवर अभियंता रमाकान्त यादव तथा अन्य प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा।अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में अन्य अवैध प्लॉटिंग की भी पहचान की जा रही है और नियमानुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी।केडीए ने आम जनता से अपील की है कि प्राधिकरण की अनुमति के बिना विकसित की जा रही अवैध प्लॉटिंग में कोई भी व्यक्ति प्लॉट न खरीदे, अन्यथा खरीदारों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

माती और अकबरपुर में जोरों से फलफूल रहा अवैध प्लॉटिंग का धंधा

जिला मुख्यालय माती और माती रोड सहित अकबरपुर कस्बे में अवैध प्लॉटिंग का कारोबार तेजी से पांव पसार रहा है। जगह–जगह बिना स्वीकृति के खेतों को काटकर बस्तियां बसाई जा रही हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की अनियंत्रित अवैध कॉलोनियां शहरी विकास की समूची परिकल्पना को ध्वस्त कर रही हैं ।

यहां पर न तो सड़कें मानक अनुसार हैं, न ही जल निकासी, बिजली और सीवर जैसी मूलभूत सुविधाएं।कानपुर विकास प्राधिकरण के वीसी मदन सिंह गर्ब्यांयाल ने साफ कहा है कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण और अवैध प्लॉटिंग पर किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। जल्द नया सर्वे करवा करा कर कार्रवाई की

किदवई नगर सब्जी मंडी में भीषण आग

» चार फायर यूनिट्स ने मिलकर पाया काबू, कोई जनहानि नहीं

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। देर रात किदवई नगर सब्जी मंडी में कबाड़ और बोरियों के ढेर में भीषण आग लग गई। सूचना पर पहुंची चार फायर यूनिट्स ने

मिलकर आग को आसपास के घरों में फैलने से रोकते हुए पूर्ण रूप से बुझा दिया।कानपुर में

किदवई नगर थाना क्षेत्र में देर रात 2-25 बजे फायर स्टेशन को ओ-ब्लॉक सब्जी मंडी में भीषण आग लगने की सूचना मिली।

आग कबाड़ और बोरियों के ढेर में लगी थी, जिसने तेजी से विकराल

रूप ले लिया था। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन किदवई नगर से एक फायर यूनिट तुरंत मौके पर रवाना हुई।

मौके पर आग की विकरालता को देखते हुए,

मिनी कंट्रोल रूम से अतिरिक्त गाड़ियों की मांग की गई।

इस पर फायर स्टेशन मीरपुर, फजलगंज और लाटूश रोड से एक-एक फायर यूनिट तुरंत मौके पर पहुंची। कुल चार फायर यूनिट्स ने आग को चारों तरफ से घेर कर बुझाना शुरू किया।

अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई

अग्निशमन यूनिटों के त्वरित और सामूहिक प्रयास से आग को आसपास के घरों में फैलने से रोका गया और उसे पूर्ण रूप से बुझा दिया गया।

इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई है।

पुलिस और फायर ब्रिगेड आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

बिल्हौर में मतदाता सूची पुनरीक्षण की तैयारी तेज

एसडीएम संजीव दीक्षित ने बीएलओ को दिया विशेष प्रशिक्षण

नौ दिसंबर से शुरू होगा मतदाता सूची पुनरीक्षण, सात फरवरी को होगा अंतिम प्रकाशन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर नगर)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की तैयारियों को लेकर सोमवार को तहसील सभागार में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 209-बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत तैनात 433 बीएलओ और 44 सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया गया। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उप जिलाधिकारी बिल्हौर की अध्यक्षता में आयोजित प्रशिक्षण में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी गई। बीएलओ को घर-घर जाकर गणना प्रपत्र भरवाने और उसे समय से जमा करने के निर्देश दिए गए।

एसडीएम संजीव दीक्षित ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की नींव है, इसलिए कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यक्रम में तहसीलदार अनुभव चंद्रा, नायब तहसीलदार शिवराजपुर रंजीत, खंड विकास अधिकारी रवि कुमार व चौबेपुर तथा खंड शिक्षा अधिकारी बिल्हौर सहित अन्य अधिकारी व लेखपाल मौजूद रहे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों का प्रारंभिक प्रकाशन आगामी 9 दिसंबर को किया जाएगा। इसके बाद 9 दिसंबर से 8 जनवरी तक दावे और आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। इस अवधि में मतदाता अपने नाम जोड़ने, संशोधन कराने या त्रुटि सुधार से संबंधित आवेदन कर सकेंगे। इसके उपरांत 9 दिसंबर से 31 जनवरी तक नोटिस, सुनवाई और सत्यापन की प्रक्रिया चलेगी। इस दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा दावे-आपत्तियों की जांच कर निर्णय लिया जाएगा। सभी मामलों के निस्तारण के बाद 7 फरवरी को मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।निर्वाचक नामावली से संबंधित किसी निर्णय के विरुद्ध पहली अपील जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष की जा सकेगी, जबकि जिला मजिस्ट्रेट के निर्णय के खिलाफ दूसरी अपील मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के स्तर पर सुनी जाएगी।

विशेष सारांश पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान मतदाता सूची में नाम जोड़ने या संशोधन के लिए दस्तावेजों की जांच बेहद अहम होगी। पात्र मतदाता अपनी पहचान और पात्रता साबित करने के लिए नीचे दिए गए प्रमाण पत्रों में से कोई भी मान्य दस्तावेज प्रस्तुत कर सकेंगे।

यह दस्तावेज होंगे अहम

सार्वजनिक उपक्रम (पीएसयू) या पेंशनभोगियों को जारी पहचान पत्र अथवा पेंशन भुगतान आदेश। 1 जुलाई 1987 से पूर्व किसी सरकारी विभाग, स्थानीय निकाय, बैंक, डाकघर, एलआईसी या पीएसयू द्वारा जारी पहचान पत्र या प्रमाण पत्र। जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा जारी मैट्रिकुलेशन अथवा शैक्षिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (एससी/एसटी/ओबीसी), राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में दर्ज अभिलेख, राज्य या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा तैयार परिवार रजिस्टर, सरकार द्वारा जारी भूमि या मकान आवंटन प्रमाण पत्र। मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान पात्र नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे अपने आवश्यक दस्तावेज पहले से तैयार रखें, ताकि सत्यापन कार्य में किसी प्रकार की दिक्कत न हो।

2003 की सूची में नाम होने पर नहीं देने होंगे दस्तावेज

इस दौरान जिन मतदाताओं का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में शामिल है, उन्हें किसी प्रकार का दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं होगी। मतदाता चुनाव आयोग के पोर्टल voters.eci.gov.in पर जाकर अपने या परिवार के सदस्यों का नाम 2003 की सूची में देख सकते हैं। यदि नाम दर्ज मिलता है तो संबंधित विवरण गणना प्रपत्र में भरा जा सकता है। प्रपत्रों के संकलन के समय वेरिफिकेशन कर्मी केवल विवरण एकत्र करेंगे, दस्तावेज नहीं मांगेंगे। जिन मतदाताओं के प्रपत्र निर्वाचन कर्मियों के पास जमा होंगे, उनके नाम आगामी ड्राफ्ट मतदाता सूची में स्वतः शामिल कर लिए जाएंगे। निर्वाचन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से की गई है, ताकि पुराने पंजीकृत मतदाताओं को दस्तावेजी प्रक्रिया से दोबारा न गुजरना पड़े।

मंत्री राकेश सचान को दी गई उर्स की दावत

» चादर और पुस्तक 'मलंग' भी की भेंट।

» 7, 8 और 9 नवंबर को तीन दिवसीय उर्स का आयोजन।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर। कानपुर के ऐतिहासिक कस्बा मकनपुर स्थित दरगाह हज़रत कुतबुल मदार के 609वें उर्स शरीफ की तैयारियां ज़ोर-शोर से चल रही हैं। आगामी 7, 8 और 9 नवंबर को तीन दिवसीय उर्स का आयोजन होगा।

इसी क्रम में मंगलवार को दरगाह कमेटी ने राज्य के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान को कार्यक्रम में शरीक होने का न्योता दिया गया। दरगाह के सज्जादानशीं नूरुल अरफ़ात जाफ़री मदारी के नेतृत्व में पहुँचे प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री सचान से उनके कानपुर स्थित आवास पर भेंट की। इस अवसर पर दरगाह की मुबारक चादर पेश की गई तथा सैय्यद सजर अली द्वारा लिखित पुस्तक मलंग मंत्री को स्मृति-चिह्न स्वरूप भेंट की गई। भेंट के दौरान सज्जादनशीं हयातुल इस्लाम, शौकत अली समेत दरगाह से जुड़े अन्य सदस्य मौजूद रहे।

नुरुल अरफ़ात ने बताया कि मंत्री राकेश सचान ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए उर्स शरीफ में शामिल होने का आश्वासन दिया है। दरगाह सूत्रों के अनुसार, इस वर्ष देशभर से हज़ारों जायरीन के पहुँचने की संभावना है। उर्स के दौरान चादरपोशी, महफ़िल-ए-मदार और सामूहिक दुआ जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

लेखपालों ने उठाई पुरानी मांगों को पूरा करने के लिए आवाज

» एडीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ तहसील समाधान दिवस

» कुल 118 शिकायतें आईं, चार का मौके पर निस्तारण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर नगर)। सोमवार को तहसील सभागार में एडीएम की अध्यक्षता में आयोजित तहसील समाधान दिवस में कुल 118 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से सिर्फ चार का मौके पर निस्तारण हो सका। शेष शिकायतों के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन प्रशासन द्वारा दिया गया। इस दौरान क्षेत्रीय लोगों ने बिजली, राजस्व और राशन से जुड़ी शिकायतें प्रमुखता से दर्ज कराईं। इसी बीच लेखपालों ने समाधान दिवस पर अपनी पुरानी लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एडीएम व तहसीलदार को सौंपा। ज्ञापन उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष मोहित सचान, तहसील अध्यक्ष जीतेन्द्र यादव और तहसील महामंत्री सुनील चौधरी एवं खंड मंत्री सर्वेश यादव के नेतृत्व में सौंपा गया।

ज्ञापन में लेखपालों ने 9 वर्षों से लंबित प्रमुख मांगों-पदनाम परिवर्तन, प्रारंभिक वेतनमान उच्चीकरण, एसीपी विसंगति, मृतक आश्रित लेखपालों की पुरानी पेंशन विसंगति, स्टेशनरी भत्ता बढ़ाने, वाहन भत्ता अनुमन्य करने और विशेष वेतन भत्ता 2500 रुपये प्रतिमाह करने आदि जैसे मुद्दों के शीघ्र समाधान की मांग की।

इसके साथ ही अन्तर्मण्डलीय स्थानांतरण सूची जारी न होने और राजस्व निरीक्षक पदों पर डीपीसी लंबित होने पर नाराजगी जताई। संघ ने कहा कि विभागीय सहमति और शासनादेशों के बावजूद समस्याओं पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है, जिससे संवर्ग में आक्रोश है। ज्ञापन में कुल आठ सूत्री मांगें रखी गईं। संघ ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन का मार्ग अपनाने को बाध्य होगा।

समाधान दिवस के दौरान तहसीलदार अनुभव चंद्रा, नायब तहसीलदार रंजीत यादव, एसीपी अमरनाथ यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई देगी कामयाबी

रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वो इतिहास रचा, जिसका दो दशक से इंतजार था। एक दिवसीय क्रिकेट का वर्ल्ड कप जीतकर उन्होंने उस कमी को पूरा किया, जो साल 2005 और 2017 में फाइनल में पहुंचकर भी हासिल न हो सकी थी। ऐसे वक्त में जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम को खिताबी दौड़ में कमजोर माना जा रहा था, उसने सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया टीम को सेमीफाइनल के एक रोमांचक मुकाबले में हरा दिया था।, जिसमें उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की टीम को 52 रन से हरा दिया। रविवार की रात हरमनप्रीत कौर की कप्तानी ने पासा ही पलट दिया। फिर उनकी टीम ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में चालीस हजार से ज्यादा दर्शकों के बीच जीत का जश्न जमकर मनाया। इस जुनूनी जश्न की वे हकदार भी थीं। साथ ही देश के एक अरब चालीस करोड़ लोगों को भी जीत के जश्न में डुबो दिया। लोग इस साल होने वाले कई दुखांत घटनाक्रमों को भुला इस जीत की लय में झूम उठे। यह सुखद आश्चर्य ही था कि टीम ने लगातार तीन हार झेलने के बाद टूर्नामेंट में दमदार वापसी की। सेमीफाइनल में लोग सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम को कमतर आंक रहे थे। सुखद आश्चर्य देखिये कि फाइनल मुकाबले में हरियाणा की उस शैफाली वर्मा ने करिश्माई पारी खेली, जो विश्व कप के शुरू होने से पहले टीम का हिस्सा भी नहीं थी। उसने अपने चयन को तार्किक साबित किया। इसी तरह दीप्ति शर्मा ने भी शानदार खेल का परिचय दिया। निश्चय ही महिला क्रिकेट टीम की यह शानदार जीत देश की उन लाखों बेटियों के सपनों को नयी ऊंचाइयां देगी, जो अपना आसमान हासिल करना चाहती हैं।निस्संदेह, विश्वकप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत के दूरगामी परिणाम होंगे। इस खेल में टीम दीर्घकालिक वर्चस्व कायम रख सकती है। दरअसल, अब तक महिला क्रिकेट को दोयम दर्जे का माना जाता रहा है। और उन्हें आईपीएल-शैली की टी-20 लीग में दमखम दिखाने का मौका मिला, टीम के प्रदर्शन में अभूतपूर्व सुधार आया। धीरे-धीरे वे पुरुष क्रिकेट के सितारों की तरह आभा बिखेरने लगी। हालांकि, आगे की राह इतनी भी आसान नहीं है, उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल उनके पास इस कामयाबी का जश्न मनाने का मौका है। उल्लेखनीय है कि टीम में कई ऐसी खिलाड़ी हैं जिन्होंने तमाम आर्थिक-सामाजिक चुनौतियों का मुकाबला करके अपनी जगह बनायी। वे तपती पगडंडियों से गुजरने वाली बेटियों के लिये प्रेरणास्रोत हैं। इन खिलाड़ियों ने मैदान से पहले निजी जीवन में बड़ा संघर्ष किया। बेहद जटिल पृष्ठभूमि से आने के बावजूद वे विश्व विजेता टीम का हिस्सा बनी हैं। उनके साथ अभ्यास मैच खेलने के लिये लड़कियां नहीं होती थी, अतः वे शुरुआती क्रिकेट लड़कों की टीम के साथ खेलती थीं। उनके माता-पिता को समाज की छींटाकशी का भी शिकार होना पड़ता था। मध्यप्रदेश की क्रांति गौड़ ने आर्थिक बदहाली का जीवन जिया और प्रैक्टिस मैच के लिये पैसे की मदद न मिलने पर मां ने गहने तक बेचने पड़े। वक्त बदला है और आज मध्य प्रदेश सरकार ने उसे एक करोड़ का पुरस्कार देने की घोषणा की।

पंजाब के लिए भी हरेक बिहारी की अहमियत

ज्योति मल्होत्रा

बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के जो भी नतीजे होंगे, उसका असर सबसे सीधे तौर पर पंजाब में महसूस किया जाएगा। क्योंकि पंजाब में बतौर प्रवासी श्रमबल बिहारी लोगों की बहुत बड़ी संख्या रहती है। बिहार विधानसभा के लिए भाजपा के चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कांग्रेस के खिलाफ अपनी टिप्पणी में पंजाब का जिक्र किया। गत सप्ताह की शुरुआत में, बिहार के मुज़फ़्फ़रपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक टिप्पणी में पंजाब में काम करने वाले बिहारी प्रवासियों के लिए हीनता-सूचक शब्द बरतने के लिए कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथ लिया, इसने पंजाब में 30 लाख की विशाल संख्या वाले कार्यबल पर फिर ध्यान खींचा, जबकि इनके बिना पंजाब में आज कोई भी परिवार काम नहीं चला सकता।

लेकिन इससे पहले कि आप यह तय कर लें कि पंजाब में बिहार-यूपी की यह प्रवासी आबादी 21वीं सदी के गिरमिटिया, यानी ब्रिटिश राज द्वारा दुनियाभर में गन्ने के खेतों में काम करवाने को ले जाए गए बंधुआ मज़दूरों का आधुनिक रूप है या नहीं, आइए इस तर्क का संदर्भ समझते हैं। सर्वप्रथम, पीएम मोदी की टिप्पणियां बिहार में बीजेपी की असाधारण पहुंच बनाने का हिस्सा हैं, जहां इसके सहयोगी दल के नीतीश कुमार पिछले 20 सालों से सत्ता पर काबिज हैं। इस अंतिम दौर में, बीजेपी के सभी शीर्ष नेता सियासी रूप से बेहद जागरूक इस राज्य में प्रचार के लिए अवतरित हैं – बीजेपी शासित छोटे से हरियाणा से भी 54 नेता चुनाव प्रचार में हैं, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी दो बार जा चुके हैं। द्वितीय, जैसे बीजेपी ने एक साल पहले हरियाणा में किया था, वह कोई कसर नहीं छोड़ेगी। वह विपक्ष को बिहार में सत्ता में आने से रोकने के लिए सब कुछ करेगी। बीजेपी जानती है कि महागठबंधन की जीत हुई तो बीजेपी की अजेयता की धारणा टूट जाएगी। साथ ही, यह विजय राहुल गांधी में 2026 में असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में नई ऊर्जा से चुनाव लड़ने का जोश भर देगी और फिर 2027 में पंजाब के लिए भी तैयार कर देगी।यही वजह है कि मुज़फ़्फ़रपुर में नरेंद्र मोदी ने 2022 में तत्कालीन पंजाब कांग्रेस के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा की गई 'यूपी के भैया' वाली टिप्पणी का मुद्दा उछाला। मोदी बखूबी समझते हैं कि कांग्रेस, चाहे कितनी भी कमज़ोर व बंटी हुई हो – आज पंजाब इकाई में मुख्यमंत्री पद के कम से कम पांच दावेदार हैं – फिर भी वह देश में एकमात्र पार्टी है जो बीजेपी के संभावित विरोधियों को एकजुट कर सकती है। एक बार फिर, चन्नी को अपना बचाव करने को मजबूर होना पड़ा , जो 2022 में पंजाब में जबरदस्ती घुसने की कोशिश कर रहे थे ङ्क लेकिन सच यह है कि यह शब्द, 'भैया', एक तुच्छता-सूचक संबोधन है, जो गिरते पंजाबी आत्म-सम्मान में श्रेष्ठता भाव जगाने की गर्ज से है। कभी दूध और शहद की धरती रहा पंजाब अब लगातार मुश्किलों में घिरता जा रहा, क्योंकि वह एक ही वक्त में कृषि संकट, जो कई दशकों की भीषणतम बाढ़ से और बढ़ गया व करीब नदारद उद्योग जैसी समस्या से जूझ रहा है, जिससे सूबे का स्थान राज्यवार जीडीपी के बरक्स कर्ज के अनुपात में देश में दूसरे नंबर पर है (सिर्फ अरुणाचल प्रदेश की हालत इससे पतली है)।। खालीपन भरने को 2021 की कनाडा की जनगणना के अनुसार, वहां करीब 10 लाख पंजाबी (कुल आबादी का 2.6 फीसदी) हैं सीमांचल, पूर्वांचल, मगध और मिथिला से आए सांवले रंग के 'भैया' लोगों ने उनके द्वारा रिक्त रोजगार मौकों को भर दिया। कहा जाता है कि पंजाब की 30 लाख प्रवासी आबादी में 60 प्रतिशत बिहार और 21 प्रतिशत उत्तर प्रदेश के हैं। मतलब, तीन करोड़ वाले राज्य में आबादी के हिसाब से हर दस पंजाब वासियों में एक प्रवासी है।

इंसान को इंसान बनाने वाला हो धर्म

'ईश्वर अल्ला तेरो नाम,

ज्वाला सिंह दास

हम तो 'वसुधैव कुटुम्बकम?' को मानने वाले हैं, सर्वे भवन्तु सुखिनः के दर्शन की बात करते है। ईश्वर की रची इस सृष्टि में आदमी और आदमी के बीच अंतर पैदा करके हम रचयिता को ही अपमानित करते हैं। अक्सर यानी जब भी धर्म या मज़हब के नाम पर इंसानियत को शर्मसार करने वाला कुछ घटता है तो उस अनाम शायर की यह पंक्ति दुहरा बैठता हूं-मज़हब बेनाम हो जाये तो सुकूं मिले। देखा जाये तो सारा झगड़ा तो नाम का ही है। किसी को हिंदू या मुसलमान नाम देकर हम अनायास उसे इंसानियत की ऊंचाई से नीचे गिरा देते हैं।

हम यह भूल जाते हैं कि हिंदू या मुसलमान से पहले भी वह कुछ था। यही 'कुछ' उसकी असली पहचान है। मंदिर में आरती करने से पहले, मस्जिद में नमाज़ पढ़ने से पहले या फिर गिरजाघर में 'गॉड' को याद करने से पहले हम सब इंसान हैं, यह बात पता नहीं हम क्यों भूल जाते हैं। ज़रा सा सोचने की बात है कि जब कोई पैदा होता है तो उसका किसी धर्म को मानने वाला होना इस बात से तय हो जाता है कि वह किस परिवार में पैदा हुआ या हुई। और वह किस परिवार में पैदा हुआ इसमें पैदा होने वाले की कोई भूमिका नहीं होती। ऐसे में यह सवाल तो उठना ही चाहिए न कि यह कैसा आधार है किसी के हिंदू या मुसलमान या किसी और धर्म को मानने वाला होने का? सवाल यह भी है कि जब किसी का धर्म तय होने में उसकी कोई भूमिका ही नहीं है तो धर्म के नाम पर आपस में झगड़ने की क्या तुक है? और यह 'झगड़ा' भी कितने

बचकाने तरीके से होता है। हाल ही महाराष्ट्र के पुणे से एक खबर आयी थी। खबर पेशवाओं के एक किले शनिवारवाड़ा से जुड़ी है। अब यह किला प्राचीन स्मारक के रूप में संरक्षित है। पेशवाई इतिहास के इस स्मारक को देखने रोज़ अनेक पर्यटक पहुंचते हैं। ये पर्यटक किसी भी धर्म के मानने वाले हो सकते हैं। कुछ ही दिन पहले कुछ मुसलमान महिलाएं यह किला देखने पहुंची थीं। पता नहीं क्या सोच कर वे वहीं एक जगह चादर बिछाकर नमाज़ पढ़ने बैठ गयीं। कोई कहीं भी बैठकर अपने प्रभु को याद करे इसमें भला किसी को क्या आपत्ति होनी चाहिए। पर इस कृत्य से कुछ लोगों को आपत्ति है। पता नहीं क्यों किसी को यह ज़रूरी लगा कि नमाज़ पढ़ती उन महिलाओं का वीडियो बनाकर वायरल किया जाये। सोशल मीडिया पर यह दृश्य देखकर कुछ लोग अप्रसन्न हुए। उन लोगों को लगा कि शनिवारवाड़ा में चार-छह लोगों द्वारा नमाज पढ़ने से वह जगह अपवित्र हो गयी है! उन्होंने वहां पहुंचकर गौमूत्र से उस जगह का शुद्धीकरण किया। यह बात समझना आसान नहीं है कि 'खुदा' का नाम लेने से 'ईश्वर' की वह जगह अपवित्र कैसे हो गयी? हमारा धर्म तो यह मानता है कि कण-कण में ईश्वर बसता है, पर धर्म को मानने वाले हम यह नहीं मानना चाहते कि ईश्वर के शुद्धीकरण की कल्पना ही अपने आप में ओछे सोच वाली बात है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी अपने आश्रम में सर्वधर्म प्रार्थना किया करते थे। सारे आश्रमवासी मिलकर सब धर्मों की प्रार्थनाएं बोला करते थे। इन्हीं प्रार्थनाओं में बापू का प्रिय भजन भी था-- रघुपति राघव राजाराम...। दांडी मार्च के दौरान बापू का यह भजन बहुत लोकप्रिय हुआ था। कहते हैं इसकी रचना संत प्रवर लक्ष्मणाचार्य ने की थी। लेकिन बापू जिस भजन को गाया करते थे, गवाया करते थे, उसमें संभवतः उन्होंने ही कुछ जोड़ा अवश्य था। वह जोड़ा हुआ अंश है-- 'ईश्वर अल्ला तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान।'लोकप्रिय हुआ था यह भजन। आज भी यह भजन धार्मिक कार्यक्रमों से लेकर राजनीतिक सभाओं में भी गाया जाता है।

कुछ अर्सा पहले पटना की एक राजनीतिक सभा में एक भोजपुरी गायिका जब इसे गा रही थीं तो कुछ लोगों ने प्रतिवाद किया।

नगर आयुक्त ने इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का किया निरीक्षण

» आईसीसीसी के सभी घटकों के प्रभावी उपयोग पर दिया जोर, शिकायत निस्तारण प्रणाली को बताया नागरिक सुविधा की रीढ़

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

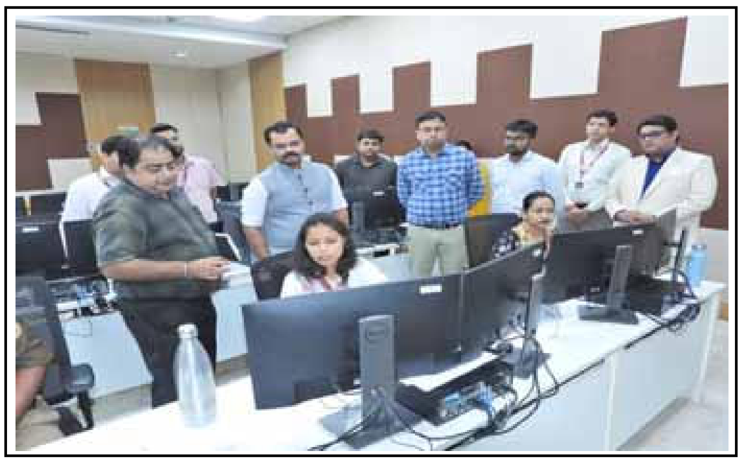

कानपुर। स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत संचालित कानपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड की इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ढ्ढष्टष्टष्ट) परियोजना का संचालन एवं रख-रखाव मेसर्स टेक महिन्द्रा लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में आज अपराह्न नगर आयुक्त एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा आईसीसीसी परियोजना का विस्तृत निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (प्रथम), मैनेजर (आईटी) तथा कार्यदायी संस्था टेक महिन्द्रा के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने परियोजना के विभिन्न घटकों के सीसीटीवी कैमरों की निगरानी प्रणाली, इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस), ट्रैफिक सिग्नल संचालन, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड (वीएमएसबी), स्मार्ट पार्किंग प्रणाली तथा शिकायत प्रकोष्ठ पोर्टल की कार्यप्रणाली और उपयोगिता की जानकारी ली।

इस अवसर पर मैनेजर (आईटी) द्वारा बताया गया कि शहरभर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से ट्रैफिक और सुरक्षा की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। आईटीएमएस के तहत वाहनों के चालान की प्रक्रिया पूर्णत:स्वचालित प्रणाली से की जा रही है, वहीं स्मार्ट पार्किंग से नागरिकों को पार्किंग की वास्तविक स्थिति की जानकारी तत्काल उपलब्ध हो रही है।

नगर आयुक्त ने शिकायत प्रकोष्ठ पोर्टल की कार्यप्रणाली की विशेष रूप से समीक्षा की और नागरिक शिकायतों के पंजीकरण से लेकर निस्तारण तक की प्रक्रिया को देखा।

उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायतों के शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण के लिए मॉनिटरिंग को और सशक्त बनाया जाए ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधा मिल सके।

आईटी टीम ने अवगत कराया कि आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों के साथ तकनीकी समन्वय स्थापित कर आईसीसीसी के सभी घटकों के अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग के लिए सुझाव लिए जा रहे हैं। इससे नगर प्रबंधन व्यवस्था को और आधुनिक, पारदर्शी तथा नागरिक हित में उपयोगी बनाया जा सकेगा।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कहा कि कानपुर स्मार्ट सिटी का आईसीसीसी शहर के डिजिटल परिवर्तन का केंद्र है। इस मंच से ट्रैफिक, सफाई, सुरक्षा और नागरिक शिकायत (all in one place) पर निगरानी संभव है। हमारा लक्ष्य है कि हर सेवा नागरिकों तक त्वरित और पारदर्शी ढंग से पहुंचे।

सडक़ किनारे महिला का शव मिला, लूट के बाद हत्या का शक

» पासबुक से हुई शिनाख्त, बैंक जाने के बाद से थी लापता

» मामले में पुलिस करीबी रिश्तों के एंगल से भी कर रही जांच

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सचेंडी थानाक्षेत्र के गज्जापुरवा रोड पर एक महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

सडक़ किनारे पड़े शव की पहचान कानपुर देहात के अकबरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम खोखा निवासी 45 वर्षीय रेशमा के रूप में हुई। मृतका के सिर पर गहरी चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलने पर सचेंडी पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। मृतका के कपड़ों से मिली बैंक पासबुक से उसकी शिनाख्त की गई।

पुलिस ने बताया कि मृतका शनिवार सुबह बारा स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में काम से निकली थी, लेकिन घर नहीं लौटी। परिजनों ने सोमवार को अकबरपुर थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। एसीपी पनकी शिखर ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस यह जांच कर रही है कि क्या महिला ने बैंक से पैसे निकाले थे और कहीं वारदात लूट के इरादे से तो नहीं हुई। फिलहाल, पुलिस करीबी लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि हत्या की गुत्थी सुलझाई जा सके।

शिकायतें आईं तमाम फिर भी सरकारी जमीन पर कब्जा हटाने में प्रशासन नाकाम

» प्रधान पर रंगदारी का मुकदमा, सुरार की जमीन पर बरकरार भ्रष्टाचार की परतें

» मुख्य मार्ग से जुड़ी करोड़ों की सरकारी जमीन पर लेखपाल ने कराया कब्जा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

आरोपी महेंद्र यादव

आरोपी वीर बहादुर यादव

ग्राम प्रधान पंकज यादव

कानपुर। सदर तहसील के अंतर्गत आने वाली राजस्व ग्राम पंचायत सुरार में सरकारी ऊसर भूमि पर अब भी भूमाफियाओं का कब्ज़ा बरकरार है। ग्राम प्रधान पंकज यादव ने लगभग एक माह पूर्व सदर एसडीएम को एक शिकायती पत्र देकर वीर बहादुर यादव और महेंद्र यादव पर आराजी संख्या 607, 608, 610 व 613 की मुख्य मार्ग पर स्थित सरकारी भूमि पर कब्जा जमाकर अवैध प्लाटिंग करने का आरोप लगाया था।

607	1) ऊसर /./.	608..	1) ऊसर /./.	610ख	1) ऊसर /./.	613	1) ऊसर /./.

शिकायत में क्षेत्रीय लेखपाल अनिल कुमार पर भी गंभीर आरोप लगाए गए थे कि उन्होंने मोटी रिश्वत लेकर भूमाफियाओं के कब्जे को वैध ठहराने के लिए फर्जी रिपोर्ट तैयार की। इसके बावजूद अब तक राजस्व विभाग की ओर से किसी पर भी कार्रवाई नहीं हुई है।

दैनिक स्वराज इंडिया ने इस प्रकरण को शुरू से ही लगातार उजागर किया है, लेकिन भ्रष्टाचार और मिलीभगत की परतें अब भी जस की तस हैं। कुछ दिनों पूर्व सदर एसडीएम के आदेश पर नायब तहसीलदार ऋचा सचान ने कार्रवाई करते हुए वीर बहादुर यादव के कब्जे वाली आराजी संख्या 608 के कुछ हिस्से को बुलडोजर चलवाकर मुक्त कराया था, परंतु अधिकतर भूमि आज भी कब्जे में है। जिलाधिकारी के सख्त निर्देशों के बावजूद राजस्व विभाग चुपचाप बैठा है। इस बीच, ग्राम प्रधान पंकज यादव ने अपनी पुरानी शिकायत वापस ले ली है, जिसके बाद ग्रामीणों में चर्चा है कि प्रधान ने शिकायत वापसी के नाम पर मोटी रकम वसूली है।

इतना ही नहीं, दो दिन पूर्व प्रधान पंकज यादव पर ही 1 लाख की रंगदारी मांगने का मुकदमा थाना सचेंडी में दर्ज हुआ है। राजकुमार नाम के युवक ने आरोप लगाया कि उसकी निजी भूमि (आराजी संख्या 539) पर बनाई जा रहीं दुकानों के नाम पर प्रधान ने यह रंगदारी मांगी थी। सुरार पंचायत में जमीनों से जुड़े इन विवादों ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर राजस्व विभाग और प्रशासन भू-माफियाओं और भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई करने से क्यों बच रहा है।

कानपुर क्लब में शुरू हुआ सीसीएफएल सत्र-7 क्रिकेट टूर्नामेंट

4 से 9 नवंबर तक क्लब मैदान में होगा रोमांचक मुकाबला

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।कानपुर क्लब की क्रिकेट समिति द्वारा आयोजित सीसीएफएल सत्र-7 क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ 4 नवम्बर से क्लब मैदान में हो गया है। यह प्रतियोगिता 9 नवम्बर 2025 तक चलेगी। क्लब के निदेशकों के संरक्षण में आयोजित यह वार्षिक क्रिकेट प्रतियोगिता केवल क्लब के सदस्यों के लिए रखी गई है।

कार्यक्रम का उद्देश्य क्लब सदस्यों के बीच आपसी सौहार्द, खुशी और स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देना है।

टूर्नामेंट का संचालन निदेशक जी.पी. कैप्टन ए.के. जुनेजा, आर.सी. सेठ (कुँवर), संजय गुप्ता, कमल चंदक, एच.एस. छठवाल (सोनू), तनवीर सिंह (अवी) और उत्कर्ष गोयल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।क्लब समिति के अध्यक्ष ब्रिगेडियर स्लब्बारुल हसन (एस.एम.), सचिव ऋषि कट्याल, क्रिकेट आयुक्त तनवीर लांबा, निदेशक राघवेंद्र चंद्र सेठ, संजय गुप्ता, सोनू छठवाल और उत्कर्ष गोयल इस आयोजन की देखरेख कर रहे हैं।इस प्रतियोगिता के मुख्य प्रायोजक एस.एन.के. हैं।सह-प्रायोजक के रूप में कमधेनु एनएक्सटी टीएमटी बार्स और कृष्णा प्राइम जुड़े हैं।

प्रतिभागी टीमें

इस सत्र में कुल 8 टीमें भाग ले रही हैं

1. के-टू किंग्स
2. कानपुर क्रैकर्स
3. स्टैण्डर्ड स्ट्राइकर्स
4. स्काई वारियर्स
5. मदर्स प्राइड बेव ड्राइवर्स
6. रोजेलिया ग्रैंड आरबीज सेठी टायर वाला
7. न्यूज इंडिया
8. आठवीं टीम का नाम उद्घाटन समारोह में घोषित किया जाएगा।

स्वास्थ्य सहयोगी पारस अस्पताल, पुरस्कार सहयोगी अपना रिवाईस और उत्साह सहयोगी फिट्टिको हैं।

शटरिंग खोलते समय करंट की चपेट में आकर मिस्त्री की मौत

शव लेकर गांव जा रहे थे स्वजन को वापस ले आई गजनेर पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र के जोधेपुर गांव में आज दोपहर बाद सटरिंग खोल रहे मजदूर की मकान के बगल से निकली हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से गंभीर घायल हो गया। साथी मजदूरों ने गजनेर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया जहां ड्यूटी पर तैनात डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं सूचना पा कर मौके पर पहुंचे परिजनों मे कोहराम मच गया।

सूचना पर पहुंची गजनेर पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पंचनामा की कार्यवाही कर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा है। गजनेर थाना क्षेत्र के जोधेपुर गांव निवासी अजय कुमार के निर्माणाधीन मकान में 15 दिन पूर्व हथेही गांव निवासी शटरिंग संचालक शीलू ने अपनी शटरिंग ठेके पर लगायी थी। सोमवार को शटरिंग खोली जा रही थी। जिसमे सटरिंग संचालक शीलू व मिस्त्री मीतू कुमार एवं सरवन सटरिंग खोल रहे थे। तभी बगल से निकली 11000 बोल्टेज लाइन मे अचानक लम्बा लोहे का राड जिससे सटरिंग खोल रहा था और बैलेंस बिगड़ने पर सरवन बिजली लाइन पर गिरा जिसकी चपेट में आने से गंभीर

रूप से घायल हो गया। जिसे साथियों ने गजनेर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया जहां ड्यूटी पर तैनात डाक्टर सिद्धार्थ गोपाल शर्मा ने मृत घोषित कर दिया।

वहीं सूचना पर पहुंचे परिजनों मे कोहराम मच गया। जब कि परिजन अस्पताल से पुलिस को सूचना दिए बगैर शव को जोधेपुर गांव ई रिक्शा में रख कर लिए जा रहे थे। तभी गजनेर पुलिस को सूचना मिली तो मौके पर पहुंची गजनेर पुलिस शव को वापस अस्पताल लाया गया। जहां पुलिस ने पंचनामा की कार्यवाही की। वहीं मृतक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था।

गजनेर थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि करंट की चपेट में आने से मौत होने की सूचना मिली है। शव का पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

ई-रिक्शा पलटने से मां की मौत, पुत्र घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुखरायां कस्बे के किसान सेवा आश्रम के निकट ई रिक्शा पलटने से एक महिला की मौत हो गई वहीं उसका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान मूसानगर थाना क्षेत्र के सराय गांव निवासी 32 वर्षीय रीता के रूप में हुई है।

मृतका के पति उदयदीप ने बताया कि रीता अपने 9 वर्षीय बेटे अंश के इलाज के वास्ते पुखरायां सीएचसी गई थी। इलाज के उपरांत वह ई रिक्शा से अपने घर लौट रही थी तभी रास्ते में किसान सेवा आश्रम के पास ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट जाने से मां, बेटे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने उन्हें आनन फानन में उपचार के लिए पुखरायां सीएचसी में भर्ती कराया। जहां पर शाम करीब चार बजे इलाज के दौरान रीता की मौत हो गई। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर गोविंद प्रसाद ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति उदयदीप खेती किसानी का काम करते हैं। रीता की मौत से पुत्रों आयुष, अंश समेत परिजनों का बुरा हाल था। प्रभारी निरीक्षक अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में ऑनलाइन आवेदन शुरू

विवाह का आयोजन माह नवम्बर 2025 से किया जाना प्रस्तावित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में समाज कल्याण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत जनपद में 470 जोड़ों का विवाह कराये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विवाह का आयोजन माह नवम्बर 2025 से किया जाना प्रस्तावित है, जिसमें जनपद के समस्त विकास खण्ड/नगर निकायों के पात्र जोड़ों को सम्मिलित किया जाएगा। प्रत्येक जोड़े पर शासन द्वारा निर्धारित कुल धनराशि रू0 1,00,000/- है, जिसमें 25 हजार रुपये की उपहार स्वरूप सामग्री दी जाती है एवं 15 हजार रुपये वैवाहिक कार्यक्रम आयोजन पर व्यय किया जाता है। इसके अलावा 60 रुपये कन्या के खाते में स्थानान्तरित की जाएगी। जनपद के अधिक से अधिक पात्र आवेदक इस योजना का लाभ लेने के लिए वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए विकास भवन स्थित समाज कल्याण कार्यालय कक्ष संख्या 106 से सम्पर्क कर सकते है।

पात्रता की मुख्य शर्तें

कन्या के परिवार की वार्षिक आय सीमा अधिकतम 3 लाख रुपये तक मान्य होगी।

आय प्रमाण पत्र माता-पिता/अभिभावक का होना अनिवार्य है।

पुत्री की आयु शादी की तिथि को 18 वर्ष व वर की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक हो

कन्या अविवाहित हो अथवा विधवा, परित्यक्तता / तलाकशुदा जिसका कानूनी रूप से तलाक हो गया हो,

वर-वधू की बायोमैट्रिक/फेश रिकग्निशन से उपस्थिति के उपरान्त ही विवाह मण्डप में प्रवेश दिया जाएगा वर एवं वधू की बायोमैट्रिक/फेस स्कैनिंग के लिए अपने आधार कार्ड की जानकारी अपडेट करा लें

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

104 ग्राम पंचायतों से 15.24 करोड़ का लेखा-जोखा गायब

डीएम ने प्रधानों-सचिवों को भेजा नोटिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में 104 ग्राम पंचायतों में 15.24 करोड़ के विकास और मनरेगा कार्यों का दो साल बाद भी कोई लेखा-जोखा न मिलने पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने संबंधित प्रधानों और सचिवों को नोटिस जारी करते हुए वसूली की चेतावनी दी है।कानपुर में विकास के नाम पर सरकारी धन कैसे डकारा जा रहा है इसका ताजा उदाहरण जिले के ग्रामीण इलाकों में सामने आया है। 104 ग्राम पंचायतों में वर्ष 2020-21 में कराए गए 15.24 करोड़ रुपये के विकास, मनरेगा कार्यों का ग्राम पंचायतों के पास कोई लेखा-जोखा नहीं है। ऑडिट टीम ने वर्ष 2023 में गांव पहुंचकर कागजातों की जांच की तो इसकी पोल खुली। दो साल बाद अभिलेख न उपलब्ध कराने पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने प्रधानों और सचिवों को नोटिस जारी किया है।

अब अभिलेख नहीं दिए, तो वसूली की कार्रवाई होगी। जिले के 10 ब्लाकों में 590 ग्राम पंचायतें हैं। गांवों के विकास कार्य के लिए केंद्र, राज्य वित्त और स्वच्छ भारत मिशन के तहत करोड़ों रुपये प्रत्येक वर्ष जारी किए जाते हैं। इससे गांव से जुड़े सभी कार्य कराए जाते हैं। शासन स्तर से जारी धनराशि का हकीकत में प्रयोग हो रहा है कि नहीं इसकी जांच वित्तीय वर्ष समाप्ति के दौरान ऑडिट विभाग की टीम करती है। हालांकि पंचायती राज विभाग का ऑडिट काफी लेट चल रहा है।

किसी ने अभिलेख नहीं उपलब्ध कराए

ग्राम पंचायतों में वर्ष 2020-21 में कराए गए कार्यों के अभिलेखों की जांच वर्ष 2023 में की गई। इसमें पता चला कि 104 ग्राम पंचायतों में 15.24 करोड़ रुपये खर्च का कोई अभिलेख नहीं है।

इसमें से कई प्रधानों का कार्यकाल पूरा हो चुका तो कई सचिव मृत, सेवानिवृत्त या दूसरे जिलों में स्थानांतरित हो गए। ऑडिट टीम ने इसकी रिपोर्ट डीपीआरओ कार्यालय को भेजी। इसके बाद सभी ग्राम पंचायतों के प्रधान और सचिवों को नोटिस जारी कर अभिलेख मांगे गए लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बाद भी किसी ने अभिलेख नहीं उपलब्ध कराए गए।

शिवराजपुर ब्लॉक की सबसे ज्यादा ग्राम पंचायतें

दस्तावेज न देने वाली सबसे ज्यादा शिवराजपुर ब्लॉक की 35 ग्राम पंचायतें, घाटमपुर ब्लॉक की 16 ग्राम पंचायतें, कल्याणपुर और बिधनू की सात-सात, पतारा की पांच, चौबेपुर की 11, ककवन की चार और भीतरगांव की 17 ग्राम पंचायतें हैं।

कराए गए विकास कार्यों के अभिलेख सचिव और प्रधानों ने नहीं दिए हैं। उन्हें अंतिम नोटिस जारी किया गया है। अगर अब भी लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं कराते हैं तो सभी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए धनराशि की वसूली की जाएगी।

देव दीपावली समिति ने गंगा घाटों पर सफाई की मांग उठाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। गंगा देव दीपावली समिति कानपुर द्वारा बुधवार, 5 नवम्बर 2025 को होने वाले देव दीपावली पर्व के सफल आयोजन हेतु नगर निगम से विशेष व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने की मांग की है।समिति के महामंत्री प्रवीण कुमार शुक्ल ने नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर कहा कि वर्ष 2011 से गंगा देव दीपावली समिति द्वारा कानपुर के गंगा घाटों पर भव्य देव दीपावली उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह परंपरा अब नगर की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान बन चुकी है।उन्होंने बताया कि इस वर्ष भी पर्व को श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाने की तैयारियाँ चल रही हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संत-महात्मा, गणमान्य नागरिक और पर्यटक शामिल होंगे।समिति ने नगर निगम से घाटों की संपूर्ण सफाई, कचरा निस्तारण, पर्याप्त प्रकाश

व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, अस्थाई शौचालय, कर्मचारियों की ड्यूटी, तथा आपातकालीन स्वास्थ्य एवं अग्निशमन सेवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।प्रवीण शुक्ल ने कहा कि नगर निगम के सहयोग से यह सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्व स्वच्छता एवं सुव्यवस्था के साथ संपन्न होगा, जिससे कानपुर नगर की गरिमा और भी बढ़ेगी।

होटल में युवक ने किया आत्महत्या का प्रयास इलाज के दौरान मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। थाना हरवंशमोहाल क्षेत्र स्थित होटल ड्रीम इन में मंगलवार दोपहर एक युवक द्वारा आत्महत्या का प्रयास किए जाने से हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान अनुराग यादव पुत्र राजेश कुमार निवासी राजेपुर टप्पा मण्डल, कायमगंज, जनपद फर्रुखाबाद के रूप में हुई है।मिली जानकारी के मुताबिक, दिनांक 04 नवम्बर 2025 को लगभग 11:30 बजे सूचना प्राप्त हुई कि होटल ड्रीम इन के एक कमरे में युवक ने पंखे से लटककर आत्महत्या का प्रयास किया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे गंभीर हालत में तत्काल केपीएम हॉस्पिटल पहुंचाया, जहाँ उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।सहायक पुलिस आयुक्त, कलक्टरगंज आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इंस्टाग्राम पर शुरू हुआ प्यार चार बच्चों की मां प्रेमी संग हुई फरार

25 दिन बाद पुलिस ने किया बरामद

सामाजिक मर्यादा पर बड़ा सवाल, आधुनिक रिश्तों की आड़ में बिखरते परिवारों की कहानी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

एटा। सोशल मीडिया के दौर में रिश्तों की परिभाषा तेजी से बदल रही है। इंस्टाग्राम पर शुरू हुई एक दोस्ती ने एटा जिले के एक परिवार को पूरी तरह से तोड़ दिया। झकरई गांव की एक विवाहित महिला, जो चार बच्चों की मां है, अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। करीब 25 दिन बाद पुलिस ने उसे बरामद कर लिया। लेकिन जब महिला को एसडीएम कोर्ट में पेश किया गया तो उसने अपने ससुर और बच्चों की आंखों में आंसू देखकर भी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

थाना पुलिस ने महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की थी। मोबाइल लोकेशन और सोशल मीडिया ट्रैकिंग के जरिए महिला को खोज निकाला गया। हालांकि कानूनी तौर पर महिला बालिग है और अपनी इच्छा से रहने का अधिकार रखती है, लेकिन इस प्रकरण ने ग्रामीण समाज में कई बहसों को जन्म दे दिया है।इंस्टाग्राम पर शुरू हुई यह कहानी आज सामाजिक रिश्तों की जटिलता का आईना बन चुकी है। जहां प्यार और स्वतंत्रता के नाम पर परिवार, जिम्मेदारी और मर्यादा की सीमाएँ टूटती जा रही हैं।

इंस्टाग्राम से शुरू हुई 'दोस्ती'

करीब सात साल पहले महिला की इंस्टाग्राम पर एक युवक से दोस्ती हुई थी। यह दोस्ती धीरे-धीरे बातचीत और फिर प्यार में बदल गई। सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार संपर्क में रहने के बाद महिला ने एक दिन घर छोड़ दिया। पति और ससुर ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने 25 दिन की तलाश के बाद महिला को बरामद किया।महिला के फरार होने के बाद परिजनों ने उसे गुमशुदा बताते हुए पुलिस से गुहार लगाई थी। पति ने कहा कि उनकी पत्नी चार बच्चों को छोड़कर किसी गैर मर्द के साथ चली गई, जिससे पूरे परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा मिट्टी में मिल गई।

महिला के गंभीर आरोप पढ़िए

पुलिस द्वारा बरामदगी के बाद जब महिला को एसडीएम कोर्ट में पेश किया गया, तो उसने अपने पति और ससुरालवालों पर गंभीर आरोप लगाए। महिला ने कहा कि मेरा पति शराब पीकर रोज़ घर आता था और अजनबी लोगों को भी रात में घर लाकर मेरे साथ छेड़छाड़ कराते थे। अब मैं उसके साथ नहीं रहूंगी। महिला ने कोर्ट में साफ कहा कि वह अब अपने प्रेमी के साथ रहना चाहती है।

बच्चों की सिसकियां और परिवार की बेबसी

जब कोर्ट में महिला को लाया गया, तो उसके छोटे-छोटे बच्चे और ससुर फूट-फूटकर रो पड़े। सबकी उम्मीद थी कि वह घर लौट आएगी, लेकिन महिला ने एक बार भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। बच्चों के आंसू और पिता की बेबसी देखकर मौजूद लोग भी भावुक हो उठे।यह घटना न केवल एक परिवार की टूटती कहानी है, बल्कि समाज के सामने एक गहरी चेतावनी भी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि ने जहाँ संवाद की नई दुनिया खोली है, वहीं उन्होंने वैवाहिक जीवन में अविश्वास और टूटन की नई चुनौतियाँ भी खड़ी कर दी हैं।

चार बच्चों की मां का यूं घर छोड़कर जाना केवल एक पारिवारिक मामला नहीं, बल्कि सामाजिक मर्यादाओं पर भी प्रश्नचिह्न है। एक ओर महिला अपने अधिकारों और सम्मान की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर पति और बच्चों का जीवन अंधेरे में धकेला जा रहा है।

चलती ट्रेन में मर्डर

चादर मांगना यात्री के लिए बना मौत का सबब!

बीकानेर-जम्मू तवी साबरमती एक्सप्रेस में सेना के जवान की हत्या, आरोपी अटेंडेंट गिरफ्तार

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बीकानेर।बीकानेर-जम्मू तवी साबरमती एक्सप्रेस में हुई दर्दनाक वारदात ने पूरे देश को झकझोर दिया है। चलती ट्रेन में मात्र एक चादर मांगना भारतीय सेना के जवान की जान ले गया। मामूली बहस ने देखते ही देखते खूनी संघर्ष का रूप ले लिया और देश के सपूत का सफर तिरंगे में लिपटकर खत्म हुआ।जानकारी के अनुसार, सेना के जवान जिग्नेश चौधरी, जो ऊधमपुर (जम्मू) में तैनात थे, रविवार रात फिरोजपुर कैंट से साबरमती के लिए यात्रा कर रहे थे।

यात्रा के दौरान उन्होंने ट्रेन के एसी कोच में तैनात अटेंडेंट जुबेर मेमन से एक चादर मांगी। इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुस्से में आगबबूला हुआ जुबेर मेमन कुछ देर बाद जवान के कोच तक पहुंचा और चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।हमले में गंभीर रूप से घायल जवान को बचाया नहीं जा सका। ट्रेन के भीतर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में दहशत फैल गई।

रेलवे पुलिस की तत्परता

घटना की सूचना मिलते ही बीकानेर रेलवे पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी अटेंडेंट जुबेर मेमन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और परिजनों को सूचना दे दी गई है।घटना के बाद सोशल मीडिया पर लोगों में आक्रोश है। सवाल उठ रहे हैं कि जब एक सैनिक देश की सीमाओं पर सुरक्षा करता है, तो वह अपने ही देश की ट्रेन में असुरक्षित कैसे रह गया?रेल मंत्रालय ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

किसानों का ऐलान अब चुप नहीं रहेंगे लखनऊ में दिखेगी एकता की ताकत

» **बाबा हनुमान दास बोले सरकार किसानों की आवाज दबा रही, अब सड़कों पर होगा हुजूम**

» **कोर कमेटी की बैठक में लिया निर्णय, 50 हजार से अधिक किसानों के जुटने की उम्मीद**

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को जय जवान जय किसान लोग संगठन की कोर कमेटी की अहम बैठक संपन्न हुई। बैठक में संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

बैठक का आयोजन राष्ट्रीय मीडिया एवं संगठन प्रभारी संदीप शर्मा उर्फ बाबा हनुमान दास की ओर से किया गया, जिसमें संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने किसानों की मौजूदा स्थिति और आने वाली रणनीतियों पर चर्चा की।बैठक में तय किया गया कि 27 दिसंबर को लखनऊ में विशाल किसान शक्ति प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर से करीब 50,000 से अधिक किसान शामिल होंगे। बाबा हनुमान दास ने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार को उसकी नीतियों का आईना दिखाया जाए। पूंजीपतियों के इशारों पर चलने वाली सरकार किसानों की मेहनत पर कुंडली मारकर बैठी है। यह आंदोलन किसानों के सम्मान और अस्तित्व की रक्षा के लिए है। देश के अन्नदाता की अनदेखी अब और नहीं होगी। उन्होंने बैठक में मौजूद सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान करते हुए कहा कि संगठन अब गांव-गांव तक अपनी पकड़ मज़बूत करेगा और किसानों को उनका हक दिलाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगा। राष्ट्रीय प्रभारी सुमन चौहान ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब हमारे कार्यकर्ता विधानसभा और लोकसभा में अपनी आवाज बुलंद करेंगे। किसान अब केवल खेत तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि नीति निर्माण में भी अपनी भूमिका निभाएगा। वहीं बीकेयू दशहरी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष यादव और राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय द्विवेदी ने कहा कि सरकार लगातार किसानों के हितों को नजरअंदाज कर रही है, और अब किसान यूनियनें एक होकर इस अन्याय के खिलाफ खड़ी होंगी।

27 दिसंबर को लखनऊ में होगा ऐतिहासिक प्रदर्शन

बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि 27 दिसंबर को लखनऊ में संयुक्त किसान शक्ति प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस प्रदर्शन का आयोजन बाबा हनुमान दास (संदीप शर्मा) के नेतृत्व में होगा। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी दल या व्यक्ति का नहीं, बल्कि हर उस किसान का है जो अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना चाहता है। शाहजहांपुर से रोहित शर्मा, जिला अध्यक्ष अंबुज शुक्ला, महासचिव अरुण कुमार सिंघानिया, राष्ट्रीय सलाहकार अशोक सिंह (अयोध्या), राष्ट्रीय संरक्षक सुधीर तालियान सहित कई जिलों के किसान नेता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

25 नवंबर को श्रीराम मंदिर के शिखर पर विजय ध्वज

» ध्वजारोहण कार्यक्रम की तैयारी तेज, साधु-संतों को भेजे जा रहे निमंत्रण पत्र

» मुख्य शिखर सहित सप्त मंदिरों के शिखरों पर एक साथ होगा भव्य ध्वजारोहण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। 25 नवंबर 2025 श्रीराम-सीता विवाह पंचमी, मंगलवार, हनुमान जी का दिन और इसी पावन तिथि पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट श्रीराम मंदिर के मुख्य शिखर सहित सप्त मंदिरों के शिखरों पर एक साथ भव्य ध्वजारोहण कर इतिहास रचने जा रहा है। श्रीराम मंदिर के शिखर पर स्थापित होने वाली ध्वजा-पताका के रोहण के लिए भारतीय सेना ने स्वयं मोर्चा संभाल लिया है। सेना के इंजीनियर राम जन्मभूमि परिसर में लगातार ट्रायल ऑपरेशन कर रहे हैं, ताकि इस विराट धार्मिक आयोजन में कोई भी चूक की गुंजाइश न रहे।

अयोध्या में नई इतिहास-रेखा

निमंत्रण में 'शुचिता' और 'सुरक्षा' का ध्यान

प्रमुख साधु-संतों, अखाड़ों के महंतों तथा राष्ट्र के विशिष्ट अतिथियों को ट्रस्ट दूत और डाक विभाग के माध्यम से निमंत्रण-पत्र भेजे जा रहे हैं। निमंत्रण में स्पष्ट निर्देश है कि किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र या झोला लेकर प्रवेश नहीं। पत्र में अंकित मोबाइल नंबर पर अपना यूनिक कोड भेजकर उपस्थिति सुनिश्चित करें। यह पहली बार है, जब एक धार्मिक कार्यक्रम में हाईटेक सुरक्षा व सत्यापन व्यवस्था का प्रयोग होगा। श्री

प्रवेश मार्ग और कार्यक्रम की टाइम लाइन

- रामपथ पर स्थित बिरला धर्मशाला के सामने रामानन्दाचार्य द्वार से प्रवेश
- श्रीराम मंदिर में प्रात-8 बजे से दर्शन व प्रवेश प्रारंभ
- इसी के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ ध्वजारोहण कार्यक्रम शुरू

रामवल्लभा कुंज के स्वामी राजकुमार दास ने बताया कि यह दिन विश्व-मानवता की विजय का प्रतीक होगा।

श्रीरामवल्लभाकुंज के प्रमुख स्वामी राजकुमार दास ने कहा कि 25 नवंबर बहुत ऐतिहासिक होने जा रहा है ।यह विवाह पंचमी है, राम-सीता मिलन का दिन।

मंगलवार हनुमान जी का दिन और इस दिन ध्वजारोहणज् यहीं से नवयुग का आरम्भ होगा। उन्होंने आगे कहाप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युग पुरुष हैं।

उन्होंने सनातन संस्कृति का प्रकाश पूरी दुनिया में पहुंचाया है। आज विश्व जान चुका है शांति का मार्ग केवल सनातन है।

कमाल कर दिया: 21 करोड़ की सड़क परियोजना में 'राखी इंजीनियरिंग'

» पब्लिक का सीधा आरोप सडक़ पर डामर की परत नहीं राखी की नर्माहट महसूस होती

अयोध्या पीडब्ल्यूडी में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा, गुणवत्ता चौड़ीकरण के नाम पर सिकुड़ी!

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। सदर तहसील अंतर्गत प्रांतीयखंड लोक निर्माण विभाग में 21 करोड़ की सडक़ परियोजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती जा रही है। प्रयागराज हाईवे से मेडिकल कॉलेज गंजा तक बनने वाली इस सडक़ के चौड़ीकरण में जिस सामग्री से निर्माण होना चाहिए, उसकी जगह कथित तौर पर राख से निर्माण होने की वायरल खबर सोशल मीडिया में आग की तरह फैल गई है। अब पब्लिक पीडब्ल्यूडी पर कई तरह के सवाल उठा रही है।

एई की चुप्पी, विभाग मौन

इस रोड निर्माण को लेकर एई राहुल राय से संपर्क की कोशिश की गई, लेकिन जवाब नहीं मिला। विभागीय अधिकारी भी निर्माण की गुणवत्ता पर टिप्पणी से किनारा कर रहे हैं। इससे संदेह और गहरा जाता है कि मामला सेटिंग वाला है।

पब्लिक पूछ रही कई सवाल

क्या भुगतान से पहले गुणवत्ता जांच की गई?
राख की आपूर्ति किसने की और किस दर पर?
तकनीकी मानकों में जो लिखा है, सड़क में वह क्यों नहीं?
भ्रष्टाचार में विभागीय अफसरों की कितनी भूमिका?

सूत्रों के अनुसार यह काम ठेकेदार पवन ट्रेडर्स द्वारा कराया जा रहा है और संपूर्ण कार्य की निगरानी एई राहुल राय कर रहे हैं। आरोप है कि निर्माण स्थल पर गुणवत्ताहीन सामग्री और मानकों की धज्जियाँ खुलेआम उड़ाई जा रही हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि जहां डामर की मोटी परत डालनी चाहिए थी, वहां राख व निम्न स्तरीय सामग्री का मिश्रण डालकर सडक़ पर ऊपरी परत से मेकअप कर दिया गया। सडक़ का रूप-रंग नया, मगर हड्डियाँ खोखली! इसके अलावा चौड़ीकरण का मानक भी कागजों में बड़ी चौड़ी सडक़ और जमीन पर पतली पगडंडी जैसा दिख रहा है।

सूत्र बताते हैं कि कई बार शिकायत की गई, लेकिन फाइलों में कार्रवाई स्टे मोड में है। विभागीय मिलीभगत का आरोप इतना पुख्ता है कि स्थानीय स्तर पर कोई भी अधिकारी मौके का निरीक्षण करने तक से कतराते दिख रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार चौड़ी सडक़ चाहती है लेकिन ठेकेदार और जेई सिर्फ अपनी जेब चौड़ी करने में लगे हैं। बता दें कि परियोजना की कुल लागत 21 करोड़ रुपए बताई गई है।

सोशल मीडिया पर उठ रहे सवालों ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया ह। सोशल मीडिया पर कमेंट किए जा रहे हैं कि अगर सडक़ राख से बन सकती है तो करोड़ों की जरूरत क्यों? और अगर करोड़ों खर्च हुए तो सडक़ राख की क्यों?

ध्वजारोहण से पहले रामनगरी अलर्ट, हर जगह सुरक्षा एजेंसियों की निगाहें

» पीएम के दौरे से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने तैयार किया सुरक्षा का प्लान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। दुर्गापूजा, दीपोत्सव, अक्षय नवमी और परिक्रमा जैसे विशाल आयोजनों को सफलता के साथ निपटाकर पुलिस प्रशासन भले ही एक राहत की सांस ले रहा हो, लेकिन यह राहत ज्यादा लंबी नहीं है। अब 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण कार्यक्रम ने सुरक्षा एजेंसियों को फिर अलर्ट मोड पर कर दिया है। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे को ध्यान में रखते हुए इस आयोजन के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने मुस्तैदी बढ़ा दी है। साथ ही सीनियर ऑफिसर कार्यक्रम के फूलप्रूफ प्लान को अंजाम देने में जुटे हैं।

60 लाख श्रद्धालु, गिनीज रिकॉर्ड, और लगातार चुनौतियाँ

पिछले एक माह में करोड़ों श्रद्धालओं को सुरक्षित दर्शन दिलाने के अलावा दीपावली पर दीपोत्सव में अयोध्या पुलिस ने बखूबी कमान संभाली। दीपोत्सव में गिनीज बुक में एक और रिकॉर्ड दर्ज कराने के बाद पुलिस की पीठ थपथपाई गई। अब पुलिस एक और मुस्तैदी की परीक्षा में जुट गई है।

खुफिया एजेंसियों का डेरा

ध्वजारोहण कार्यक्रम को लेकर पुलिस अलर्ट है। अयोध्या आने वाले हर व्यक्ति को सुरक्षित व शांतिपूर्ण माहौल मिले, इस दिशा में सुरक्षा का मजबूत खाका तैयार किया जा रहा है।
डॉ. गौरव ग्रोवर एसएसपी
एसएसपी अयोध्या

पीएम मोदी के 25 नवंहर के कार्यक्रम के लिए खुफिया एजेंसी व प्रधानमंत्री की सुरक्षा से जुड़े सीनियर अफसरों ने भी अयोध्या में डेरा डाल दिया है। पुराने पीएम विजिट की फाइलों की समीक्षा रूट प्लान व सिक्योरिटी ग्रिड तैयार करने की प्रक्रिया तेज हो गयी है। राम मंदिर समेत संपूर्ण अयोध्या सुरक्षा घेरे में ले ली गई है। पूर्व में यहां तैनात अनुभवी अधिकारियों को भी बुलाया जा रहा है।

बिहार में सीएम योगी ने अखिलेश पर कसा तंज

नाम नहीं बदलते, वैश्विक मंच पर पहचान भी दिलाई

माफिया पर कार्रवाई होगी, उनकी संपत्ति गरीबों में बांटी जाएगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

समस्तीपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि अब बिहार में भी माफिया पर कार्रवाई होगी और उनकी संपत्ति गरीबों में बांटी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार बिहार को फिर से ज्ञान की भूमि के रूप में प्रतिष्ठित करेगी। बिहार के समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीननगर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, जो लोग उत्तर प्रदेश से खारिज कर दिए गए हैं, वे कहते हैं कि हम केवल नाम बदलते हैं। हम सिर्फ नाम नहीं बदलते, हमने उत्तर प्रदेश के नाम को दुनिया के मंच पर पहुंचाया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा, जब बुलडोजर माफिया को कुचलता है और उनकी संपत्ति गरीबों में बांटी जाती है, तो यही सच्चा न्याय है। अब बिहार में भी ऐसे कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बिहार को फिर से ज्ञान की भूमि के रूप में स्थापित करना है, बिहार के विकास को भारत के विकास से जोड़ना है, युवाओं को रोजगार देना है और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

योगी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में बिहार में आईआईएम, आईआईटी, एम्स और मेडिकल कॉलेजों का निर्माण हो रहा है। विकास के लिए इच्छाशक्ति चाहिए। राष्ट्रीय जनता दल-कांग्रेस के पास विकास का कोई मॉडल नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर आस्था का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा, जिन्होंने भगवान राम पर सवाल उठाए थे, वही आज छठी मइया पर सवाल कर रहे हैं।

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, जनधन योजना, आयुष्मान भारत और उज्ज्वला योजना की सफलता राजग सरकार की उपलब्धियां हैं, जिन्होंने गरीबों और वंचितों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने कहा, आपका (जनता) उत्साह इस बात का संकेत है कि बिहार में फिर से राजग सरकार बनने जा रही है। मैंने बिहार के युवाओं की मेधा और बुद्धिमत्ता को नजदीक से देखा है। बिहार के युवाओं ने देश और दुनिया के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने कहा आज जो लोग बड़े-बड़े वादे कर रहे हैं, उन्होंने ही 20 वर्ष पहले बिहार को उसकी पहचान से वंचित कर दिया था। उन्होंने बिहार के युवाओं से उनके अधिकार और रोजगार छीन लिए, गरीबों के हक को लूटा और राज्य को जंगलराज में तब्दील कर दिया। आदित्यनाथ ने कहा कि जनता के सामने जो महागठबंधन है, वही वह गठबंधन है जिसने बिहार को अराजकता और असुरक्षा के दौर में धकेल दिया था। उन्होंने कहा, ÷नीतीश कुमार के नेतृत्व में सुशासन का दौर शुरू हुआ और आज समय है कि इसी आधार पर बिहार को और आगे बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजग सरकार के कार्यकाल में राज्य के किसानों के उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए 'कार्गो' और 'ड्राइ पोर्ट' का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा, बिहार की राजग सरकार ने विकास और विरासत के बीच उत्कृष्ट संतुलन स्थापित किया है।

दरभंगा पहुंचे योगी, लोगों ने फूलों से किया स्वागत

दरभंगा। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के अंतिम दिन दरभंगा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रोड शो के दौरान भारी जनसमूह उमड़ा। लोहिया चौक से प्रारंभ होकर मछली चौक तक चले इस भव्य रोड शो में लोगों का उत्साह चरम पर रहा। सड़क के दोनों ओर और छतों पर खड़े लोगों ने योगी योगी, जय श्री राम, भारत माता की जय, मिथिला धाम की जय, माता जानकी की जय और हर हर महादेव के नारे लगाए। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देखने और उनसे मिलने के लिए लोगों में जबरदस्त उत्सुकता रही।

हाथों में कमल निशान और झंडे थामे लाखों लोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ साथ चलते हुए एनडीए गठबंधन जिंदाबाद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाते रहे। लोगों ने मुख्यमंत्री योगी पर फूल बरसाए, वहीं कई स्थानों पर फुलझड़ियां और पटाखे जलाकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी ने जनता का अभिवादन करते हुए कहा कि आज के इस ऐतिहासिक रोडशो में दरभंगा नगर वासियों ने जो उत्साह दिखाया है, खास तौर पर यहां के युवाओं और सामाजिक संगठनों ने, इसके प्रति मैं आप सभी का हृदय से अभिनंदन करता हूं।

सूचना निदेशक विशाल सिंह का धूमधाम से मनाया जन्मदिन

पुष्प गुच्छ देकर कर्मचारी, पत्रकारों ने दी शुभकामनाएं

» आरपी सिंह, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सूचना निदेशक आईएएस विशाल सिंह का जन्मदिन सूचना निदेशालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पत्रकारों और विभाग के अधिकारियों की भारी उपस्थिति ने समारोह को यादगार बना दिया। सभी ने विशाल सिंह को पुष्पगुच्छ और अंग वस्त्र भेंट किए और केक काटकर हर्षोल्लास के साथ उनका जन्मदिन मनाया।इस अवसर पर पत्रकारों ने निदेशक के स्वस्थ, दीर्घायु और सफल जीवन की कामना की। निदेशक विशाल सिंह ने स्वयं केक काटा और सभी उपस्थित लोगों को मिठाई खिलाकर अपना स्नेह और आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर अपर सूचना निदेशक अरविंद मिश्रा, सहायक निदेशक जेपी सिंह, लेखाधिकारी संजय सिंह, परशुराम मौर्या, प्रमोद कुमार, कपिल सिंह, शालिनी तोमर, अशोक सिंह, प्रमोद, संदीप ओझा, दीपक बाजपेई, अनिल सिंह, राहुल, मनोज यादव आदि मौजूद थे। अन्य वरिष्ठ विभागीय अधिकारी और उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के महामंत्री अब्दुल वहीद एवं सचिव जुबैर अहमद वरिष्ठ पत्रकार शिव शरण सिंह, सय्यद गुलाम हुसैन, देवराज सिंह, नज़्म अहसन, कौसर जहां, अजय सिंह, राघवेंद्र त्रिपाठी, सुनील कुमार, नवीन लाल सूरी जैसे प्रमुख पत्रकारों के साथ-साथ राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहम्मद कतील शेख एवं सचिव सुल्तान शहरयार ख़ान भी मौजूद रहे।

सत्यापन को डॉक्युमेंट रखें तैयार, लखनऊ में शुरू हुई एसआईआर

ट्रेनिंग के बाद मतदाताओं के घर-घर पहुंचेंगे 3789 बीएलओ

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान आज से शुरू हो गया है। इस अभियान के तहत बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना फॉर्म देंगे, जिनमें उनका नाम, ईपीआईसी नंबर, भाग संख्या, क्रम संख्या और विधानसभा क्षेत्र का विवरण पहले से छपा होगा। इस सर्वे के दौरान ये लोग वोटरों से कुछ जानकारी मांगेंगे। लेकिन ऐसे में सावधान रहने की जरूरत है। फर्जीवाड़ा और स्कैम करने वाले लोग आपसे कुछ संवेदनशील जानकारी लेकर ठगी कर सकते हैं।

आम तौर पर एसआईआर के लिए आपके दरवाजे आने वाले बीएलओ आपसे एक फॉर्म भरवाएंगे। मतदाता इस फॉर्म में जन्मतिथि, मोबाइल नंबर, माता-पिता के नाम, फोटो अपडेट करने की सुविधा आदि भर सकते हैं। इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाना है, जिसमें फर्जी, डुप्लीकेट और मृतक मतदाताओं को हटाया जाएगा और नए पात्र मतदाताओं को जोड़ा जाएगा।

लेकिन अगर ये लोग आपसे कोई ओटीपी मांगे, आपसे किसी किस्म का पासवर्ड पूछें या फिर आपकी बैंक डिटेल लेने की कोशिश करें तो सतर्क होने की जरूरत है। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन अभियान के लिए ऐसी किसी भी चीज की जरूरत ही नहीं है। अगर कोई ऐसा करे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

यह अभियान लगभग एक महीने चलेगा और 7 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इस दौरान बीएलओ हर घर तीन बार जाकर सुनिश्चित करेंगे कि कोई मतदाता छूट न जाए। उत्तर प्रदेश में करीब 15 करोड़ मतदाता इस प्रक्रिया के अंतर्गत कवर होंगे। 2003 के बाद यह पहला बड़ा पुनरीक्षण है। इसके बाद दावे और आपत्तियां दाखिल करने के लिए 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक का समय दिया जाएगा, जिसके बाद सभी अप्रमाणित मतदाताओं की जांच और निस्तारण की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक पूर्व-भरे हुए गणना फॉर्म की प्रिंटिंग और तैयारियां की गई थीं। चुनाव आयोग ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने के निर्देश दिए हैं, ताकि लोकतंत्र मजबूत हो सके।